LITTERA PUBLIC SCHOOL

CLASS 3 **CHAPTER 12** **HINDI**

लोमड़ी का न्याय

एक बार जंगल में कुछ शिकारियों ने एक शेर को पकड़ने के लिए पिंजरा रखा। पिंजरा रखकर वह अगले दिन आने के लिए चले गए। कुछ समय बाद एक शेर आकर उस पिंजड़े में फँस गया। शेर दहाड़ दहाड़ कर मदद के लिए किसी को पुकार रहा था। तभी एक लकड़हारा उधर से गुजरा। शेर ने लकड़हारे से मदद मांगी और उसे विश्वास दिलाया कि यदि वह दरवाजा खोल देगा तो वह उसे बिल्कुल भी नहीं खाएगा। किंतु पिंजरे से बाहर आते ही शेर ने लकड़हारे से कहा कि अब मुझे भूख लग गई है और मैं तुम्हें खा लूंगा। शेर की यह बात सुनकर लकड़हारा बहुत घबरा गया। उसने खुद को बचाने के लिए किसी से न्याय मांगने का तरीका अपनाया। शेर ने सोचा कि पूरे जंगल में उसकी बात कोई नहीं काट सकता है इसलिए वह उसकी बात मान गया। तभी एक चालाक लोमड़ी उधर से गुजरी। लोमड़ी ने कहा मैं इस छोटे से पिंजरे को देखकर यह मान ही नहीं सकती कि हमारे महाराज इसमें समा सकते हैं। लोमड़ी को यकीन दिलाने के लिए शेर एक बार फिर पिंजरे में वापस चला गया। लोमड़ी के कहते ही लकड़हारे ने पिंजरे का दरवाजा फिर से बंद कर दिया। अंत में लोमड़ी ने यह कहकर विदा लिया कि आप जैसे हिंसक जानवर पर विश्वास करना मूर्खता होगी। इसके बाद लोमड़ी

और लकड़हारा अपने -अपने रास्ते चले गए। अगले दिन शिकारी शेर को ले जाकर चिड़ियाघर में बंद कर दिए।

कठिन शब्द:-

शिकारियों

पिंजरा

दरवाज़ा

लकड़हारा

कुल्हाड़ी

सहायता

विश्वास

स्वतंत्रता

निर्णय

लीजिएगा

महाराज

लोमड़ी

चालाकी

हिंसक

मूर्खता

चिड़ियाघर

शिकारी

शब्दार्थ:-

सहायता - मदद

न्याय - इंसाफ

विश्वास - भरोसा

हिंसक-जीवों की हत्या करने वाला

स्वतंत्रता-आज़ादी

मूर्खता-बेवकूफ़ी

निर्णय-फैसला

पर्यायवाची शब्द:-

जंगल-वन

राजा-नरेश

इंसान-मनुष्य

प्रार्थना-विनती

चिड़ियाघर-प्राणी उपवन

विलोम शब्द:-

बंद× खुला

पकड़ना× छोड़ना

न्याय× अन्याय

विश्वास× विश्वासघात

स्वतंत्रता ×परतंत्रता

हिंसक ×अहिंसक

भीतर ×बाहर